



MEENA SANKRANTI || क्या है मीन संक्रांति जानिए इसका महत्त्व व तारीक ||

Meena Sankranti

मीना संक्रांति (Meena Sankranti) का महत्त्व

आज संक्रांति का महीना है। इस दिन सूर्य की पूजा की जाती है। इस दिन सूर्य मीन राशि में प्रवेश करता है। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार सूर्य हर महीने अपनी राशि बदलता है। वह एक राशि से दूसरी राशि में परिवर्तन करता है। जिस दिन सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में परिवर्तन करता है उसे संक्रांति कहते हैं। हिंदू धर्म में इस दिन का बहुत महत्व है। इस दिन दान देने से मनुष्य का जीवन सुखमय होता है।

तिथि

वैदिक कैलेंडर के अनुसार, सूर्य देव गुरुवार, 14 मार्च 2024 को मीन राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिन स्नान और दान कार्य भी किए जाते हैं। आपको बता दें कि मीन राशि के लिए संक्रांति के दिन शुभ समय दोपहर 12:46 बजे से शाम 6:29 बजे तक है। वहीं महापुण्य काल 12:46 से 14:46 तक रहता है। माही संक्रांति का क्षण दोपहर 12:46 बजे होगा।

सूर्य पूजा का महत्त्व

मीन संक्रांति (Meena Sankranti) के दिन सूर्य देव की पूजा करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मीन संक्रांति के दिन भगवान सूर्य की पूजा करने से जीवन में हर तरह की सफलता मिलती है और सुख-समृद्धि आती है। इस दिन सूर्य देव की पूजा करने से कुंडली में मौजूद ग्रह दोष भी दूर हो जाते हैं और व्यक्ति को सूर्य की कृपा प्राप्त होती है।

मीन संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा करने से धन, समृद्धि और स्वास्थ्य जैसे वरदान भी मिलते हैं और इस दिन दान को विशेष महत्व दिया जाता है।

कैसे करें पूजा

- मीन संक्रांति (Meena Sankranti) के दिन जीवन से नकारात्मक तत्वों को दूर कर ऊर्जा देने वाले सूर्य देव की पूजा की जाती है।
- इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर नदी में स्नान करें या घर पर अपने पानी में गंगा जल मिलाएं।
- स्नान के बाद तांबे के लोटे में जल भरकर उसमें चंदन, चावल और फूल मिलाकर सूर्य देव को अर्घ्य दें। इस स्थान पर, सूर्य को समर्पित जल एकत्र करने के लिए नीचे एक तांबे या कांस्य की थाली रखी जाती है। पानी को अपने माथे, हृदय और भुजाओं पर लगाएं।
- मंदिर जाएं, भगवान के दर्शन करें और सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। इसलिए आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। इससे आपकी कुंडली में सूर्य ग्रह का नकारात्मक प्रभाव कम हो जाएगा।
इस दिन गाय को खाना खिलाना या दान देना भी बहुत शुभ माना जाता है।

मीना संक्रांति (Meena Sankranti) पर दान का महत्त्व

मीन संक्रांति (Meena Sankranti) के खास दिन विशेष चीजों का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। अधिकांश लोग इस दिन को दैवीय आशीर्वाद प्राप्त करने का दिन मानते हैं। मीन संक्रांति का दिन दान-पुण्य के कार्यों के लिए बहुत शुभ दिन माना जाता है। मीन संक्रांति के दिन दान का अत्यधिक महत्व है। अतः भोजन, वस्त्र आदि। इस दिन ब्राह्मणों और जरूरतमंदों को दान देना चाहिए। मीन संक्रांति के दिन भूमि दान करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। मीन संक्रांति के दिन से मलमास प्रारंभ होता है। इसलिए मलमास के दौरान नामकरण, विद्या आराम, उपनयन संस्कार, विवाह संस्कार, गृह प्रवेश आदि शुभ कार्य किए जाते हैं। वर्जित माने गए हैं। इसलिए ये शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

क्या न करें

जब भी सूर्य देव बृहस्पति की राशि (धनु और मीन) में भ्रमण करते हैं या धनु और मीन राशि में संक्रांति होती है तो उसे मलमास कहा जाता है। ऐसे में किसी भी प्रकार के शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। नामकरण, विद्या आरंभ, कर्ण छेदन, अन्नप्राशन, उपनयन संस्कार, विवाह संस्कार, गृहप्रवेश, वास्तु पूजन आदि शुभ कार्य नहीं होते। मलमास में किया जाता है। इसका मतलब है कि 14 मार्च से 14 अप्रैल तक सभी शुभ कार्य बंद रहेंगे।

Read More religious content on

vedicprayers.com